वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 190 | सोमवार 6 नवम्बर 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राजस्थान में चुनाव से पहले ही बना जब्ती का रिकॉर्ड

500 करोड़ से ज्यादा की ड्रग्स, शराब,नकदी, फ्रीबीज सामग्री जब्त

जयपुर. कासं। राज्य में स्वतंत्र,निष्पक्ष और भयमुक्त चुनाव के लिए राज्य के निर्वाचन विभाग ड्रग्स,शराब,नशीली दवाओं,नकदी व फ्रीबीज सामग्री लाने ले जाने वालों पर कड़ी कार्रवाई कर रहा है। राज्य में 27 दिन की चुनाव आचार संहिता के दौरान ही 500 करोड़ रुपए की ड्रग्स,शराब,नकदी,फ्रीबीज सामग्री जब्त की जा चुकी है। यह जब्ती 2018 के विधानसभा चुनाव के मुकाबले 702 प्रतिशत ज्यादा है। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि प्रदेश में विभिन्न एनफोर्समेंट एजेंसियों द्वारा 9 अक्टूबर को आदर्श आचार संहिता लागू होने से अब तक 500 करोड़ रुपए मूल्य की अवैध नकदी और अवैध सामग्री जब्त की गई है। प्रदेश में गत विधानसभा आम चुनाव में पूरी आचार संहिता के दौरान की गई जब्ती के मुकाबले अब तक 702 प्रतिशत की बढोतरी हो चुकी है। गुप्ता ने कहा कि राजस्थान के पडौसी राज्यों की सीमाओं पर सख्त निगरानी रखी जा रही है जिससे किसी भी कीमत में ड्रग्स,अवैध शराब,नकदी व अन्य सामग्री की तस्करी नहीं हो सके।

जयपुर के बाजार 8 दिन तक जगमग, 8 नवंबर से रात 1 बजे तक उमड़ेगी भीड़

जयपुर. कासं

राजधानी के बाजारों में दिवाली की रंगत नजर आने लगी है। परकोटे में बाजार सजकर तैयार हो गए। बाजारों में दिवाली का उत्साह देखने को मिल रहा है। शहर के अधिकतर बाजारों में 8 नवंबर को लाइट स्वीच ऑन होगा। इस बार जयपुर के बाजार 8 दिन तक जगमग होंगे। वहीं देर रात 1 बजे तक बाजारों में रोशनी देखने को मिलेगी। एमआई रोड, चांदपोल बाजार, त्रिपोलिया बाजार, गणगौरी बाजार, चौड़ा रास्ता, जौहरी बाजार सहित अन्य गलियों के मार्केट भी सजकर तैयार है। इस बार बाजारों में 7 से 8 दिन तक रोशनी होगी। कई बाजारों में 8 से 13 नवंबर तक रोशनी होगी तो एमआई रोड पर इस बार 15 नवंबर तक रोशनी रहेगी। इस बाजार रात एक बजे तक रोशनी से जगमग रहेंगे, अन्य सालों की अपेक्षा लोगों को दो घंटे देर तक रोशनी देखने को मिलेगी। इस बार दिवाली सजावट के बीच लोगों को शत प्रतिशत मतदान करने का संदेश भी दिया जाएगा। इसके लिए दुकानों पर बैनर भी लगाए जाएंगे। दुकानदार अपने ग्राहकों से मतदान के लिए आग्रह भी करेंगे। शहर के चांदपोल बाजार में सामूहिक सजावट का काम अंतिम चरण में है। चांदपोल बाजार व्यापार मंडल अध्यक्ष सुभाष गोयल ने बताया कि बाजार में 9 नवंबर को लाइट का स्वीच ऑन होगा। बाजार में 13 नवंबर तक रोशनी रहेगी। बाजार में जगह–जगह देवी–देवताओं के दर्शन होंगे, इसके लिए 15 से अधिक झांकियां सजाई जा रही है। छोटी चौपड़ पर समुद्र मंथन होता नजर आएगा। छोटी चौपड़ पर मेट्रो ट्रेन चलती नजर आएगी। इसके साथ ही बाजार में हवामहल, अल्बर्ट हॉल, मैसूर महल के अलावा टाइटेनिक जहाज भी नजर आएगा। बाजार में पुष्पक विमान भी देखने को मिलेगा। एमआई रोड 8 नवंबर से करीब तीन किलोमीटर में नेचुरल दूधिया रोशनी से जगमग होगा। बाजार में अजमेरी गेट से गवर्मेंट होस्टल चौराहे तक करीब 3 किलोमीटर में दोनों ओर विशेष लाइटे लगाई गई है।

बच्चों को ऊंचाईयां हासिल करने के लिए बड़े लक्ष्य रखने की आवश्यकता

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजधानी जयपुर में एक स्कूल में वार्षिकोत्सव का आयोजन हुआ। जिसमें विद्यार्थियों की ओर से सांस्कृतिक गीतों पर नृत्य की प्रस्तुति दी गई। समारोह की शुरूआत जेपीआइट्स इन सिम्फनी के प्रदर्शन के साथ हुई। जयश्री पेडीवाल स्कूल के निदेशक आयुष पेड़ीवाल ने कहा कि बच्चों को हमेशा ऊंचाईयां हासिल करने के लिए बड़े लक्ष्य रखने की आवश्यकता है। इसलिए जीवन में लक्ष्य को हासिल करने के लिए कितनी भी मेहनत करनी पड़े, कभी पीछे नहीं हटना चाहिए। क्योंकि मेहनत करने वालों को एक दिन मंजिल मिल ही जाती है। मेहनत करने वालों को कभी निराशा हाथ नहीं लगती है। समारोह में अलादीन नामक नाटक की प्रस्तुति दी गई। जो दर्शकों को आश्चर्य से भरी जादुई दुनिया में ले गया। यह नाटक आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहा।

विश्व वन्दनीय भगवान महावीर के 2550 वें निर्वाणोत्सव पर होगें पूरे देश में विभिन्न आयोजन

सोमवार, 13 नवम्बर को जयपुर में भट्टारक जी की नसियां में होगा मुख्य आयोजन। जैन धर्म के छठे तीर्थंकर भगवान पदमप्रभू का जन्म व तप कल्याणक शनिवार,11 नवम्बर को

दिगम्बर जैन मंदिरों में होंगे पूजा अर्चना के विशेष आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

विश्व वन्दनीय, जैन धर्म के 24 वें तीर्थंकर भगवान महावीर का 2550 वां निर्वाणोत्सव सोमवार,13 नवम्बर को पूरे देश में भक्ति भाव से मनाया जावेगा। इस मौके पर राष्ट्रीय स्तर का आयोजन बिहार के पावापुरी में, प्रदेश स्तरीय आयोजन दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी में तथा जयपुर में भट्टारक जी की नसियां में राजस्थान जैन सभा जयपुर द्वारा मुख्य आयोजन होगा। शहर के 250 से अधिक दिगम्बर जैन मंदिरों में पूजा अर्चना एवं निर्वाणोत्सव के विशेष आयोजन होंगे। इससे पूर्व शनिवार,11 नवम्बर को जैन धर्म के छठे तीर्थंकर भगवान पदमप्रभू का जन्म व तप कल्याणक महोत्सव मनाया जाएगा। राजस्थान जैन सभा जयपुर के अध्यक्ष सुभाष चन्द जैन एवं महामंत्री मनीष बैद ने बताया कि जयपुर में मुख्य आयोजन राजस्थान जैन सभा जयपुर द्वारा नारायण सिंह सर्किल स्थित भट्टारक जी की नसियां में होगा। सभा के मंत्री विनोद जैन 'कोटखावदा' ने बताया कि प्रातः 7.30 बजे से होने वाले इस आयोजन में चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्जवलन, भगवान महावीर की संगीतमय पूजा के बाद प्रातः 9. 00 बजे निर्वाण काण्ड भाषा के सामूहिक उच्चारण के बाद निर्वाण लाडू चढाया जाएगा।महोत्सव के लिए राकेश छाबड़ा को मुख्य संयोजक एवं अनिल छाबड़ा को संयोजक बनाया गया है। भगवान पद्मप्रभ के जन्म एवं तप कल्याणक दिवस तथा भगवान महावीर के निर्वाण

लाडू महोत्सव पर दिगम्बर जैन मन्दिरों में होंगे विशेष आयोजन। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन 'कोटखावदा' ने बताया कि शनिवार,11 नवम्बर को जैन धर्म के छटे तीर्थंकर भगवान भगवान पदमप्रभू का जन्म एवं तप कल्याणक महोत्सव मनाया जाएगा।इस मौके पर प्रातः अभिषेक, शांतिधारा के बाद पूजा अर्चना की जाएगी। पूजा के दौरान मंत्रोच्चार के साथ जन्म व तप कल्याणक अर्घ्य चढाया जाएगा। महाआरती के बाद समापन होगा। इसी तरह से सोमवार,13 नवम्बर को भगवान महावीर का मोक्ष कल्याणक दिवस एवं 2550 वां निर्वाणोत्सव मनाया जाएगा। श्री जैन के अनुसार प्रतापनगर के सैक्टर 8 स्थित श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर में आचार्य सौरभ सागर महाराज के सानिध्य में, बरकतनगर के श्री चन्द्रप्रभू दिगम्बर जैन मंदिर में आचार्य नवीन नन्दी महाराज के सानिध्य में, आमेर के श्री संकटहरण पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर फागीवाला में उपाध्याय उर्जयन्त सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में, मीरा मार्ग पर स्थित श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में मुनि सर्वानन्द, मुनि जिनानन्द एवं मुनि पुण्यानन्द महाराज के सानिध्य में, बगरु के श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में गणिनी आर्यिका भरतेश्वर मति माताजी ससंघ के सानिध्य में, जनकपुरी के श्री नेमिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में आर्यिका विशेष मति माताजी ससंघ के सानिध्य में, टौक रोड पर नांगल्या बीलवा के श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर में गणिनी आर्यिका नंगमति माताजी ससंघ के सानिध्य में विशेष आयोजन होगें तथा निर्वाण लाडू चढाया जावेगा । जैन के मुताबिक सांगानेर के श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मंदिर संघीजी, आगरा रोड स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र चूलगिरी, मोती सिंह भोमियो का रास्ता स्थित श्री दिगम्बर जैन मंदिर चौबीस महाराज, गोपालजी का रास्ता स्थित श्री दिगम्बर जैन मंदिर कालाडेरा (महावीर स्वामी), तारोंऔ की कूंट पर सूर्य नगर स्थित श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर सहित शहर के 250 से अधिक मंदिरों में पूजा अर्चना एवं निर्वाण लाडू चढ़ाने के विशेष आयोजन होंगे।

दुर्गापुरा में दीपक सजाओ प्रतियोगिता का आयोजन, विद्यासागर पाठशाला के बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैनाचार्य विद्या सागर पाठशाला दुर्गापुरा जयपुर में रविवार दिनांक 05 नवम्बर 2023 को आने वाले भगवान महावीर स्वामी जी के मोक्ष कल्याणक महोत्सव के अवसर पर दीपक सजाओ प्रतियोगिता के आयोजन में विद्यासागर पाठशाला के 30 बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। आयोजन में राजेन्द्र कुमार जैन काला, कार्यक्रम संयोजक श्रीमती चंदा सेठी, सहयोगी श्रीमती रिंकू सेठी, श्रीमती छवि जैन, रेणु पांड्या, श्वेता जैन उपस्थित थे। ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रकाश चन्द जैन चांदवाड़, मंत्री राजेन्द्र कुमार जैन काला एवं समस्त कार्य कारिणी ने प्रतियोगिता में उपस्थित हुए नन्हे मुन्ने बच्चों का उत्साह वर्धन करते हुए हार्दिक धन्यवाद् देते हुए शुभकामनाएं प्रेषित की।

अविवाहित प्रतिभाएं प्रस्तुति समूह की राष्ट्रीय बैठक मुरेना में होगी

बैठक में परिचय सम्मेलन पर होगी विशेष चर्चा

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

मुरेना। अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैसवाल जैन उपरोचियां समाज की सेवाभावी राष्ट्रीय संस्था अविवाहित प्रतिभाएं प्रस्तुति समूह की राष्ट्रीय सभा 19 नवम्बर को ज्ञानसागर सेवा सदन मुरैना में होने जा रही है। मुरेना बड़ा जैन मंदिर कमेटी के अध्यक्ष एवम अविवाहित प्रतिभाएं प्रस्तुति समूह के संरक्षक महेशचंद 'बंगाली' (अझेड़ा वाले) ने जानकारी देते हुए बताया कि समूह परिवार द्वारा श्री सिद्धक्षेत्र सोनागिर में आगामी 24 -25 दिसम्बर को अविवाहित युवक युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है ।इसी संदर्भ में विशेष चर्चा हेतु 19 दिसम्बर को मुरेना में समूह की राष्ट्रीय बैठक का आयोजन रखा गया है। संस्था के परम संरक्षक प्रदीप जैन पीएनसी आगरा, महेंद्र जैन मधुवन दिल्ली, सीए कमलेश जैन गुरुग्राम, सुदीप जैन मिढ़ेला वाले के दिशा निर्देशन एवम मार्गदर्शन में समूह के राष्ट्रीय संयोजक रविंद्र जैन जमूसर भोपाल, अजय जैन शिवपुरी, रूपेश जैन दिल्ली, अनिल जैन बंधु मकराना भारतवर्ष के सभी क्षेत्रीय संयोजकों के सहयोग से उपरोचियाँ जैसवाल जैन समाज के अविवाहित बच्चों की संपूर्ण परिचय सहित बहुरंगीन परिचय पुस्तिका का प्रकाशन किया जा रहा है ।

श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री पार्श्वनाथ चूलगिरी, आगरा रोड, जयपुर में कल्याण मन्दिर स्तोत्र विधान पूजा 11 नवंबर को

जयपुर. शाबाश इंडिया। कार्तिक, कृष्णा त्रयोदशी धन तेरस, द्वितीय शनिवार, दिनांक 11, नवम्बर, 2023 को प्रातः 08.00 बजे से दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री पार्श्वनाथ चूलगिरी, आगरा रोड, जयपुर में कल्याण मन्दिर स्तोत्र विधान पूजा 11नवंबर को आयोजित किया गया है। सभी साधर्मी ईष्ट मित्रों परिवारजनों सम्मिलित होकर धर्म लाभ प्राप्त करें।

प्रथमाचार्य श्री शान्तिसागर जी महाराज का दीक्षा शताब्दी महोत्सव 7 जनवरी को जयपुर में

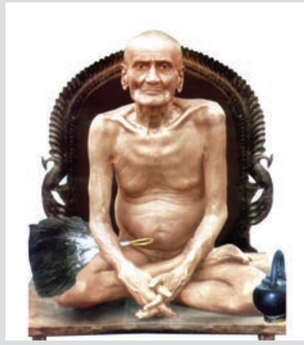

जयपुर. शाबाश इंडिया। देश की सर्वोच्च साध्वी गणिनी प्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी की प्रेरणा से प्रथमाचार्य चारित्र चक्रवर्ती आचार्य श्री शान्तिसागर जी महाराज का शताब्दी दीक्षा महोत्सव देशभर में एक वर्ष तक विभिन्न कार्यक्रमों के साथ मनाया जाएगा। अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन युवा परिषद के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जैन ने अवगत कराया कि 5 नवम्बर दोपहर 1 बजे युवा परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन की अध्यक्षता में प्रदेश पदाधिकारियों व शाखा अध्यक्षों की संयुक्त मीटिंग श्री आदिनाथ भवन गायत्री नगर महारानी फार्म जयपुर में हुई ।युवा परिषद प्रदेश पदाधिकारी की मीटिंग में यह निर्णय लिया गया कि उक्त दीक्षा महोत्सव 7 जनवरी को राष्ट्रीय स्तर पर युवा परिषद के 47 वें स्थापना दिवस समारोह के पावन अवसर पर जयपुर महानगर में मनाया जायेगा , जिसमें समस्त राष्ट्रीय पदाधिकारी, विभिन्न प्रांतो से युवा परिषद की शाखाओं के पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित रहेंगे। मीटिंग में युवा परिषद के प्रदेश महामंत्री बिमल बज, प्रदेश संस्कृतिक मंत्री सुनीला बाकलीवाल, कशवी जैन, प्रदेश संयुक्त मंत्री श्रद्धा जैन एवं युवा परिषद मानसरोवर संभाग के अध्यक्ष अशोक जोला ,संरक्षक सतीश कासलीवाल, जयपुर हेरीटेज के अध्यक्ष रुपेन्द्र जैन एवं महामंत्री नरेश छाबड़ा आदि पदाधिकारीगण उपस्थित थे।

अब चक्कर आने वाले 90 प्रतिशत मरीजों का इलाज संभव

नेशनल कॉन्फ्रेंस नेस्कॉन-2023 में देशभर के विशिषज्ञों ने दिए प्रजेंटेशन

जयपुर. कासं। अब तक सिर्फ 20 प्रतिशत मरीजों का ही चक्कर आने का इलाज हो पाता था, क्योंकि उनके चक्कर आने का सही सही कारण पता नहीं लग पता था। अब न्यूरो इक्विलिब्रियम तकनीक आ गई है, जिससे हम मरीज में चक्कर आने का सटीक कारण खोज पाते हैं। इससे 90 प्रतिशत मरीजों का इलाज संभव हो पा रहा है। इसमें मरीज की आंखों, दिमाग, चलने का तरीका जैसे कुछ टेस्ट किए जाते हैं। न्यूरो ओटोलॉजिकल एंड इक्विलिब्रियोमेट्रिक सोसायटी ऑफ इंडिया की तीन दिवसीय नेशनल कॉन्फ्रेंस नेस्कॉन-2023 के दूसरे दिन एक्सपर्ट्स ने यह जानकारी दी। कॉन्फ्रेंस के ऑर्गनाइजिंग सेक्रेटरी डॉ. पवन सिंघल ने बताया कि कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन सत्र आयोजित किया गया। इस सत्र में चीफ गेस्ट के रूप में आरयूएचएस के वाइस चांसलर डॉ. सुधीर भंडारी, गेस्ट ऑफ ऑनर एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. राजीव बगरहट्टा, डॉ. सुबोध श्रीवास्तव, स्पेशल गेस्ट एसएमएस हॉस्पिटल के अधीक्षक डॉ. अचल शर्मा रहे। ऑर्गनाइजिंग चेयरपर्सन डॉ. सुनील समदानी और डॉ. रेखा हर्षवर्धन ने कहा कि दूसरे दिन डॉ. श्रीनिवास डोरासाला ने एनईएस ओरेशन दिया और डॉ. नारायण जयशंकर ने डॉ. जो वी डेसा ओरेशन दिया। इसके अलावा विभिन्न सत्रों में वर्टिगो के सर्जिकल मैनेजमेंट, स्कल बेस कैंसर में रेडियोथैरेपी, फेशियल प्लासी जैसे विषयों पर अलग-अलग फैकल्टी ने अपनी रिसर्च प्रस्तुत की।

वेद ज्ञान

वैराग्य से ही मोह से छुटकारा

स्वार्थ का शालीन नाम 'मोह' है। हम सभी परस्पर स्वार्थ से जुड़ते हैं। इसी कारण उनके प्रति मोह रहता है। स्वार्थ, ममत्व को जन्म देता है। ममत्व ही मोह है। लोक में, व्यक्ति का परिजन, दोस्त संबंधी और धन-आदि से सीधा जुड़ाव होता है। सभी से कुछ न कुछ स्वार्थ सिद्ध होता है। इसलिए इनके प्रति स्वाभाविक मोह होता है। लौकिक-संबंध अथवा वस्तु हमारे लिए जितना उपयोगी होते हैं, उतने ही उनके प्रति वे आसक्ति रखते हैं। उनके प्रति उतनी ही आसक्ति या रागात्मिका-वृत्ति दृढ़ होती है। हमें जिनके प्रति जितना मोह या राग-भाव होता है, उनके खोने का भय भी उतना ही प्रबल होता है और उनके खो जाने पर अत्यंत दुख का अनुभव होता है। अब यदि इस मोह (राग-भाव) से छुटकारा मिल जाए तो सांसारिक दुखों से आसानी से छुटकारा पाया जा सकता है। मोह से छूटने का एकमात्र उपाय है-वैराग्य। रागों से मुक्त होना वैराग्य है। वैराग्य वह शक्ति है, जो मनुष्य को अभय प्रदान करती है। इसकी ऊर्ध्व गति है। वैराग्य आत्मसाक्षात्कार कराने का प्रवेश द्वार अथवा मूल है। वैराग्य-प्राप्ति की प्रक्रिया मन के रागात्मक होने वाले कारणों के सर्वथा विपरीत है। लौकिक संबंधों से अपेक्षाओं का पूर्णतया त्याग और उनके प्रति ममत्व त्यागकर निर्विकार होना वैराग्य-प्राप्ति का उपाय है, किंतु यह इतना सरल नहीं है, क्योंकि एतदर्थ समत्व-बुद्धि के लिए सतत और दृढ़तापूर्वक अभ्यास करना पड़ेगा। समत्व-बुद्धि निर्मल-मन का विषय है। लौकिक अपेक्षा-कामना-आसक्ति और मोहादि विकार संकीर्ण और अशुद्ध-मन के कार्य-व्यापार हैं। इसके विपरीत अलौकिक और सर्वव्यापक सत्ता को एकमात्र स्वीकार करना, उसी के साक्षात्कार की अपेक्षा रखना, उसी की अनन्य-भक्ति की सदैव कामना, उसी के परम-सौंदर्य पर निरंतर मुग्ध (आसक्त या मोहित) रहना-निरंतर ऐसी मनोस्थिति बनाए रखना स्थिति-प्रज्ञ या समत्व-बुद्धि प्राप्त करने के प्रारंभिक चरण हैं। अलौकिक (परमात्म) सत्य को सर्वोपरि मानने से लौकिक-प्रपंच स्वत: शांत होने लगते हैं।

संपादकीय

छात्राओं की सुरक्षा को लेकर बीएचयू प्रशासन व पुलिस गंभीर नहीं

वाराणसी के काशी हिंदू विश्वविद्यालय यानी बीएचयू में एक छात्रा से छेड़छाड़ की जैसी घटना सामने आई, उससे एक बार फिर यही साफ हुआ है कि महिलाओं के खिलाफ अपराध को लेकर सरकार और पुलिस किस स्तर तक लापरवाही बरत रही है। आए दिन राज्य सरकार दावे करती है कि वहां अपराधियों के हौसले पस्त पड़ गए हैं और उत्तर प्रदेश में अब अपराध पर लगाम लग चुकी है। मगर हकीकत का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि बीएचयू में रात में बाकायदा बाहर से अपराधी तत्त्व न केवल घुसते, बल्कि काफी देर तक छात्राओं से बदसलूकी करते और फरार भी हो जाते हैं। घटना के ब्योरे से पता चलता है कि जो तीन युवक मोटरसाइकिल से परिसर में घुसे, उन्हें रोकने-टोकने या पूछताछ करने वाला कोई नहीं था। उन्होंने अपने एक दोस्त के साथ टहल रही छात्रा को हथियार के बल पर काबू में किया। उसके दोस्त से मारपीट की और छात्रा को अलग ले जाकर उत्पीड़ित किया। छात्रा

किसी तरह जान बचा कर एक प्राध्यापक के घर में घुस गई, तब जाकर कहीं उसे मदद मिल सकी। यह स्थिति आम इलाकों के मुकाबले ज्यादा सुरक्षित माने जाने वाले विश्वविद्यालय परिसर के भीतर की है, जहां अपराधियों ने बेलगाम होकर अपनी हरकत को अंजाम दिया। यह उस उत्तर प्रदेश और वहां किसी सबसे व्यवस्थित और सुरक्षित क्षेत्र के तौर पर प्रचारित परिसर की हालत है, जहां राज्य को अपराध-मुक्त बना देने के प्रचार के बरक्स जमीनी हकीकत कुछ और दिखती है। गौरतलब है कि विश्वविद्यालय में 2017 में इसी तरह की घटना हुई थी, जिसमें एक छात्रा से कुछ मोटरसाइकिल सवारों ने बुरी तरह छेड़छाड़ की थी। उस समय भी घटना के खिलाफ विद्यार्थियों ने व्यापक प्रदर्शन किया था, लेकिन पुलिस ने उन पर लाठियां बरसाई थी। तब भी यह आश्वासन दिया था कि ऐसी वारदात पर लगाम लगाने के लिए सीसीटीवी लगाने से लेकर अन्य सुरक्षा इंतजाम किए जाएंगे। ताजा घटना के बाद भी जब विश्वविद्यालय में छात्र-छात्राओं के बीच व्यापक गुस्सा पैदा हो गया और उन्होंने आरोपियों को गिरफ्तार करने और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की, तब फिर से वैसे ही आश्वासन दोहराए गए कि सुरक्षा व्यवस्था सख्त की जाएगी। सवाल है कि अपने दावों को लेकर राज्य सरकार कितना गंभीर है कि बुधवार को हुई घटना के बाद भी महज सीसीटीवी लगवाने का आश्वासन अब तक जारी है। पिछले वर्षों में कई घटनाओं के बावजूद अब तक इस दिशा में कोई ठोस पहल क्यों नहीं हुई? होना यह चाहिए था कि अगर राज्य को अपराध-मुक्त बनाने की सरकार की बात सही है तो आपराधिक तत्त्वों के भीतर पकड़े जाने और सख्त कार्रवाई का खौफ होता और वे अपराध करने से पहले सोचते। मगर जिस तरह परिसर में घुस कर उन्होंने वारदात को अंजाम दिया, उससे यही लगता है कि उनके भीतर कानून का कोई डर नहीं था। इस हकीकत के होते आम जनता कैसे यह मान ले कि राज्य में अपराध पर नकेल कस दी गई है और लोग सुरक्षित हैं? -राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

गोपनीयता बनाम पारदर्शिता

चुनावी चंदे के मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने सुनवाई पूरी कर फैसला सुरक्षित रख लिया है। अदालत ने निर्वाचन आयोग को निर्देश दिया कि वह बीते सितंबर महीने तक राजनीतिक दलों को मिले कुल चंदे का ब्योरा पेश करे। हालांकि इस पर निर्वाचन आयोग का रुख कुछ टालमटोल का रहा, मगर अदालत ने इसे लेकर सख्ती दिखाई। फैसला यह ब्योरा उपलब्ध होने के बाद ही आएगा। हालांकि पूरी सुनवाई के दौरान सर्वोच्च न्यायालय की पांच जजों की पीठ ने सरकार से जिस तरह के सवाल किए और सरकार की तरफ से उनके जो जवाब आए. उससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि चुनावी चंदे के मामले में जानबूझ कर पारदर्शिता बाधित की गई। सर्वोच्च न्यायालय ने समानता का अधिकार कानून की नजर से इस मामले पर सुनवाई की। शुरू में सरकार ने तर्क दिया कि चुनावी चंदे के बारे में मतदाता को जानने का कोई अधिकार नहीं है। मगर इस सवाल के आगे यह तर्क देर तक ठहर नहीं पाया कि मतदाता कंपनियों का शेयरधारक भी हो सकता है और उसे यह जानने का पूरा अधिकार है कि उसके निवेश का लाभांश कंपनी किस राजनीतिक दल को दे रही है। ऐसे ही अदालत के लगभग सभी सवाल सरकार को असहज करने वाले थे। दरअसल, चुनावी चंदे से संबंधित कानून को बदल कर बांड का प्रावधान किया गया, तभी आशंका जाहिर की गई थी कि इससे राजनीतिक चंदे में अपारदर्शिता आएगी और कारपोरेट घराने इसके जरिए अपने हित साधने का प्रयास करेंगे वह बात जल्दी ही साबित भी हो गई। दरअसल, नए कानून के बाद राजनीतिक चंदे की करीब नब्बे फीसद राशि सत्ताधारी दल को मिलती रही है। इस तरह चंदे के मामले में राजनीतिक दलों के बीच असमानता देखी गई। चुनावी शुचिता के पक्षधर सदा से कहते रहे हैं कि राजनीतिक दलों पर कारपोरेट घरानों या कंपनियों से चुनावी चंदा लेने की रोक होनी चाहिए, क्योंकि इस तरह चंदा देकर कारोबारी सत्तापक्ष पर अपने लाभ के लिए फैसले कराने का दबाव बना सकते हैं। काफी समय तक ऐसे चंदे पर रोक रही। फिर नियम बना कि कंपनियां अपने सकल लाभ का पांच फीसद चुनावी चंदे के रूप में दान दे सकती हैं। इस सीमा को बाद में बढ़ा कर साढ़े सात फीसद कर दिया गया था। मगर जब बांड के रूप में चंदा लेने का कानून बना तो यह सीमा हटा दी गई और नियम बन गया कि कोई भी जितना चाहे, चंदा दे सकता है। जरूरी नहीं कि कंपनी फायदे में ही चल रही हो। यहां तक कि अगर किसी विदेशी कंपनी की शाखा भारत में है, तो वह भी चंदा दे सकती है। चंदा देने वाले की पहचान उजागर नहीं की जा सकती। इस कानून के पीछे सरकार का तर्क था कि इससे काले धन को सफेद करने का चलन बंद होगा। मगर जिस तरह कुल चंदे का बड़ा हिस्सा केवल सत्ताधारी दलों को मिलता देखा गया है, उससे यह अंदेशा गहरा हुआ है कि कंपनियों ने सरकारों से किसी न किसी लाभ की इच्छा से ऐसा किया होगा। बहरहाल, सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट कर दिया है कि चुनावी चंदे में पारदर्शिता जरूरी है और मतदाता को यह जानने का पूरा हक होना चाहिए कि किसी पार्टी को चंदा कहां से मिल रहा है और वह उसका उपयोग किस रूप में कर रही है। लोकतंत्र का तकाजा भी यही है कि राजनीतिक दल अपारदर्शी तरीके से धन जुटाने का प्रयास न करें।

हीरा पथ दिगंबर जैन समाज समिति को संत भवन के लिए भूमि का आवंटन हुआ

समिति ने राजस्थान आवासन मंडल से आवंटित भूमि का कब्जा प्राप्त किया

मानसरोवर, जयपुर. शाबाश इंडिया

हीरा पथ दिगंबर जैन समाज समिति को राजस्थान आवासन मंडल द्वारा 500 वर्ग मीटर जमीन नवीन संत भवन के लिए आवंटन हुई है उस जमीन पर कब्जा प्राप्त किया गया। आज सम्पूर्ण समाज की साधारण सभा में सरक्षक हंस राज द्वारा पंकज एंव राजेन्द्र जैन के सहयोग से नवकार मंत्र एंव भक्तामर का सामुहिक पाठ किया गया। समाज समिति के अध्यक्ष धन कुमार जैन ने बताया की कार्यक्रम मे समाज के गणमान्य व्यक्तियो ने भाग लिया एंव मंत्री सुरेन्द्र जैन ने पधारे हुए समाज के सभी गणमान्य लोगो का स्वागत ओर आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद दिया साधारण सभा मे सुभाष, विरेन्द्र, संतोष, विवेक, श्रीमती अनिता, सुरेश , वार्ड पार्षद पारस जैन आदि ने अपने अपने विचार रखे। बाबू लाल एंव अशोक ने पधारे हुए सभी महानुभावों के लिए अल्पाहार व्यवस्था को सुचारू रुप से सम्पन्न कराई। समाज समिति के भवन निर्माण मंत्री महेन्द्र जैन का भी पुरा सहयोग रहा ।सभी ने भावना भाई की संत भवन का निर्माण शीघ्रातिशीघ्र प्रारंभ किया जावे ताकि आने वाले चातुर्मास मे किसी भी आचार्य साधु या आर्यिका माताजी का चतुर्मास सपन्न हो सके । अंत मे समिति अध्यक्ष धन कुमार जैन ने वर्ष 23-25 के चुनाव शीघ्रातिशीघ्र कराने की घोषणा की। कार्यक्रम मे पडोस मे स्थिति गुरु द्वारा के अध्यक्ष एव मंत्री भी उपस्थित हुए उनका स्वागत महेन्द्र सुरेश दिनेश प्रकाश विमल जैन द्वारा किया गया । श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन समाज समिति हीरा पथ मानसरोवर जयपुर की साधारण सभा मे पधारें हुए सभी जैन समाज समिति के आजीवन सदस्यों एवं साधारण सदस्यों की उपस्थिति सराहनीय रही। सभा मे समाज के सभी पुरुषों एवं महिलाओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज करा कर एकता का परिचय दिया समाज के पुण्योदय से एवं सम्पूर्ण समाज के सहयोग से 500 वर्ग मीटर भूमि समाज समिति को आवंटन हुई। उसमे महेन्द्र बड़जात्या, सुरेश छाबड़ा, बाबू लाल बिंदायका, अशोक जैन आदि का सहयोग रहा जिसके लिये सभी धन्यवाद के पात्र है। सभा मे हीरा पथ जैन मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष सुभाष जैन, वीरेंद्र जैन, श्रीमति अनिताजी जैन विवेक कासलीवाल आदि ने अपने विचार रखे सिख समाज के प्रतिनिधि भी सभा मे उपस्थित रहे एवं वार्ड 72 पार्षद पारस जैन ने भी अपने विचार रखे। समाज समिति के अध्यक्ष धन कुमार कासलीवाल ने समाज समिति के आय व्यय की जानकारी दी एवं एवं समाज समिति के मंत्री सुरेंद्र जैन ने सभी आगुन्तको का आभार व्यक्त किया। मंच संचालन महिला मंडल की श्री मति आभा जैन के द्वारा किया गया।

महावीर इन्टरनेशनल द्वारा हड्डी रोग शिविर में 56 रोगियों ने लिया लाभ

सुभाष पहाड़िया. शाबाश इंडिया

कुचामन सिटी। महावीर इंटरनेशनल कुचामन सिटी के तत्वावधान में श्रीमती गुणमाला देवी कमल कुमार पाण्ड्या के सौजन्य से अरिहन्त हेल्थ केयर सेन्टर, कुचामन सिटी में रविवार को राजस्थान के विख्यात हड्डी रोग विशेषज्ञ, जॉइन्ट एवं घुटना रिपलेस्मेंट लिगामेंट सर्जरी डॉ. जितेश जैन, राजस्थान हॉस्पिटल, जयपुर द्वारा 56 रोगियों की निःशल्क जाँच कर उचित परामर्श दिया गया। शिविर का शुभारम्भ डॉ. जितेश जैन, दानदाता परिवार के कैलाश पाण्ड्या, गवर्निंग काउन्सलिंग मेम्बर सुभाष पहाड़िया, संस्था अध्यक्ष रामवतार गोयल संयोजक नरेश जैन, द्वारा भगवान महावीर के चित्र के सामने दीप प्रवज्जलित कर शिविर का शुभारम्भ किया डॉ. जितेश जैन ने इस अवसर पर कहा कि महावीर इन्टरनेशनल द्वारा भामाशाह पाण्ड्या परिवार के सौजन्य से आयोजित इस हड्डी रोग जाँच शिविर में मरीजों को कुचामन में उपलब्ध करवा कर उन्हे आगे के ईलाज हेतु चिरंजीवी योजना का लाभ दिलवाकर मरीजों को निःनिल्क इलाज एवं आपरेशन करवाना संस्था व दानदाता का बड़ा पुण्य का काम कर रही है। शिविर संयोजक सुरेश जैन, गिरधारी दीक्षित, तेजकुमार बड़जात्या ने बताया कि शिविर में 20 रोगियों की एक्सरे व 45 रोगियों की खून की जाँच निःशुल्क की गई। शिविर प्रत्येक माह के अन्तिम रविवार को नियमित आयोजन किया जा रहा है। संस्था अध्यक्ष रामावतार गोयल ने बताया कि अशोक अजमेरा, महेश लढ्ढा, बोदुलाल कुमावत, चन्दु ने शिविर में सहयोगी रहे।

चातुर्मास में आठ मासखमन सम्पन्न

दिवाकर नवयुवक मंडल ने किया तपस्वियों का बहुमान

ब्यावर. शाबाश इंडिया

गांधी आराधना भवन में विराजित महासती धैर्यप्रभा जी म. सा. आदि ठाणा के चातुर्मास में तपस्याओं का ठाठ लगा हुआ हैं। अब तक महासती जी के चातुर्मास में आठ मासखमन और अधिक की तपस्या हो चुकी हैं। इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर नवयुवक मंडल द्वारा तपस्वीयों का बहुमान किया गया।

तप से भवों के कर्म खत्म होते हैं: साध्वी धैर्यप्रभा जी

महासती धैर्यप्रभा जी ने धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए बताया कि तप करने से करोड़ो भवो के कर्म खत्म हो जाते हैं। तप जीवन का श्रृंगार होता हैं। 30 दिन निराहार रहना कोई सरल कार्य नही होता। सभी तपस्वियों ने आत्मबल को मजबूत करके मासखमन की तपस्या पूर्ण की। महासती धृतिप्रभा जी, धीरप्रभा जी और धार्मिक प्रभा जी ने बताया कि तप के लिए तीन बातें जरूरी है तन में क्षमता, मन मे समता और आत्मा में रमणता जब यह तीनों बाते मिलती है तो तपस्या संभव हो पाती हैं। तपस्वियों के तप की अनुमोदना से भी कर्मो का क्षय होता हैं। अतः हम यदि तपस्या नही कर सकते तो हमें तप अनुमोदना में कभी भी पीछे नही रहना चाहिए। इस अवसर पर वैरागिन बहन कोमल जी ने भी सभी तपस्वियों की भूरी भूरी प्रसंशा करते हुए भविष्य में भी तप के साथ अपने जीवन को उज्ज्वल बनाने की कामना की।

पूरे चातुर्मास में रहा तपस्याओं का ठाठ

जैन दिवाकर नवयुवक मंडल के अध्यक्ष दीपक बाफना ने बताया कि महासती वृन्द के पूरे चातुर्मास में तपस्याओं का ठाठ रहा। पूरे चातुर्मास में 8 मासखमन और अधिक, 115 अठाई (8 उपावस) और अधिक, 380 से अधिक तेले (3 उपवास) और अधिक के अलावा कई छोटी बड़ी तपस्याएं हो चुकी है। वर्तमान में भी कई तपस्याएं गतिमान हैं। मंत्री राजेश छल्लानी ने बताया कि आज नवयुवक मंडल द्वारा गांधी आराधना भवन में तप अनुमोदना हेतु चौबीसी का कार्यक्रम रखा गया। कार्यक्रम में तपस्वियों की अनुमोदना के साथ मासखमन और अधिक की तपस्या एवं वर्षीतप करने वाले तपस्वियों एवं महासती धैर्यप्रभा जी की वीर माता मूर्ति देवी जी एवं वैरागिन बहन कोमल के पिता शमशेर सिंह का नवयुवक मंडल की और से बहुमान किया गया। वैरागिन बहिन, दिवाकर संघ आदि द्वारा भी तपस्वीयो का बहुमान किया गया।

मासखमन तपस्या के आराधक

शुभम गुगलिया ने बताया की चातुर्मास में अशोक रेदासनी, गौतम श्रीश्रीमाल, पूर्णिमा लोढ़ा, खुशी छल्लानी, प्रीति ओस्तवाल, ज्योति बोहरा, जुली नाहटा, सृष्टि गांधी ने मासखमन तप की आराधना की थी। नवयुवक मंडल सदस्य दीपक सिंघवी के वर्षीतप की तपस्या चल रही हैं। राजेश छल्लानी, मंत्री श्री जैन दिवाकर नवयुवक मंडल, ब्यावर ने बताया कि इस अवसर पर देवराज लोढ़ा, रितेश बाबेल, दीपक बोहरा, दिलीप भंडारी, ऋषभ पीपाड़ा, रूपेश कोठारी, तुषार पीपाड़ा, ध्रुवीन गुगलिया, नितेश कोठारी, राहुल जैन, सम्पत छल्लानी, हेमन्त बाबेल, चन्दूलाल कोठारी, दिलीप बाबेल, विमल पीपाड़ा, आदर्श बाबेल, प्रतीक गादीया, सुजल जैन, ललित मकाना, पंकज सकलेचा, सुशीला लोढ़ा, मंजुला जांगडा, सन्ध्या छल्लानी, सुभाष गांधी, राहुल छल्लानी, राहुल बाबेल, आदि श्रावक श्राविका आदि उपस्थित रहे।

मनवांछित इच्छित फल प्राप्त होता है पैंसठिया यंत्र के जाप करने पर: महासती धर्मप्रभा

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

चैन्नई। मनवांछित इच्छित फल प्राप्त होता है पैंसठिया यंत्र के जाप करने पर । रविवार को साहुकार पेठ जैन भवन में 108 पैंसठिया जाप के दौरान महासती धर्मप्रभा ने जाप करने वालें श्रावक-श्राविकाओं को सम्बोधिंत करतें हुए कहा कि भारतीय परंपरा में मंत्र स्त्रोत्र आदि का बहुत बड़ा महत्व है। जैन धर्म में अनेक मंत्र स्त्रोत्र जो स्वयं में सिद्ध एवं चमत्कारी हैं। पैंसठिया यंत्र ऐसा विशिष्ट यंत्र है जो आधी व्याधि और उपाधि का नाश कर व्यक्ति के जीवन में समाधि प्रकट करता है इसका विधिवत साधना कर व्यक्ति अपने इच्छित फल को प्राप्त कर सकता है और अपने सिद्धि का द्वार खोल सकता है। यह यंत्र आत्मा को नव्यता दिव्यता और भव्यता प्रदान करता है। पैंसिठिया के जाप करने से कैंसर जैसे रोग खत्म हो जाते हैं, परंतु उसके लिए भावना और श्रद्धा शुद्ध रखकर विश्वास के साथ जाप करता है तो वह अपने रोग और दुःखों से छुटकारा पा सकता है। साहुकारपेट श्रीसंघ के कार्याध्यक्ष महावीर चन्द सिसोदिया ने जानकारी देतें हुए बताया पैंसठिया के जाप प्रारंभ करने से पूर्व सभी भाई और बहनों ने नवकार महामंत्र की आराधना की और 3 घंटे तक सामूहिक रूप से महासती धर्मप्रभा, साध्वी स्नेहप्रभा के साथ विधि विधान पूर्व पैंसठिया यंत्र का जाप किया। पैसठिया जाप की सभी को प्रभावना देने वालें लाभार्थी माणकचन्द, डॉ.अशोक कुमार खाबिया का श्री एस.एस.जैन संघ के अध्यक्ष एम.अजितराज कोठारी, हस्ती मल खटोड़, महावीर कोठारी, सुरेशचन्द डूगरवाल, शम्भूसिंह कावड़िया, संजय खाबिया, ज्ञानचन्द चौरड़िया, भरत नाहर मंत्री सज्जन राज सुराणा, अजित कोठारी, महेन्द्र सेठिया, दिनेश नाहर महावीर ललवाणी आदि सभी ने लाभार्थी खाबिया परिवार को शॉल माला पहनाकर स्वागत किया।

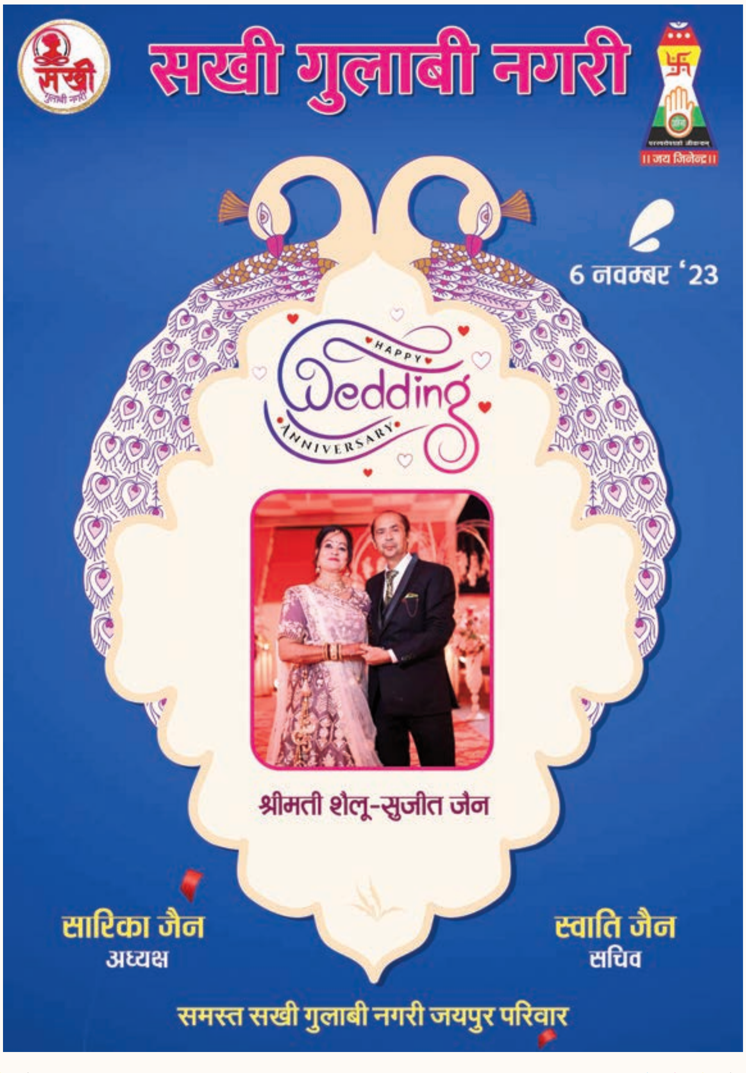

आचार्य श्री विद्यासागर महाराज देवता तुल्य हैं: पीएम मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने आचार्य श्री विद्यासागर महाराज के दर्शन कर लिया मंगल आशीर्वाद

डोंगरगढ़, छत्तीसगढ़. शाबाश इंडिया

चंद्रगिरी तीर्थ पर विराजमान दिगंबर जैनाचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज के दर्शन करने हेतु भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पहुचे । लगभग 20 से 25 मिनट उन्होने गुरुदेव से चर्चा की उनका मार्गदर्शन लिया । मोदी दूसरी बार दर्शन हेतु आए इससे पूर्व वर्ष 2016 मे आए थे तब भी काफी समय तक उन्होंने उनसे मार्गदर्शन लिया था। जब मोदी दर्शन करने पहुचे तो क्षेत्र कमेटी ने उनका स्वागत किया प्रतिभामंडल की बालिकाओं ने भी अतिथि देवो भवो को सार्थक करते हुए उनका स्वागत किया । यु ही नहीं आचार्य गुरुवर विश्व वंदनीय कहे जाते है उनकी साधना उनका संयम सचमुच है जिसका उदाहरण आज साक्षात दिखा देश का प्रधान सेवक जिसके आगे सम्पूर्ण विश्व आज नतमस्तक है वो आज स्वयम आज गुरु चरणों मे नतमस्तक दिखाई दिया अहिंसा सत्य साधना संयम का ही प्रत्यक्ष उदाहरण है । आज मोदी ने एक आमसभा मे अपना अनुभव सांझा करते हुए आचार्य श्री विद्यासागर जी के लिए कहा कि आज मुझे परम पूज्य विद्यासागर महाराज के चरणों मे बैठने का मोका मुझे मिला। उनके आशीर्वाद उनके विचारो को सुनकर के मन बहुत प्रभावित हो गया। उन्होने आचार्य श्री का गुणावाद करते हुए कहा साधना मे रस जीवन को पूर्णतया अपरिग्रह के सिद्धांतो पर चलकर ईश्वरीय शक्ति से जोडने वाले पूज्य आचार्य श्री विद्यासागर महाराज के विचार उनके आशीर्वाद आज के दिन की शुरूआत नयी प्राणशक्ति बन गई है। और आज एक नयी ऊर्जा लेकर जा रहा हु मेरा तो आज का दिन बडे पवित्र वातावरण मे प्रारभ हुआ जिनके प्रति मेरी अपार श्रध्दा है, ऐसे देवतुल्य है परम पूज्य आचार्य श्री विद्यासागर महाराज। अगर हम विचार करे राजनीती से परे रखकर इस पर गोर करे तो आज का यह परिप्रेक्ष यह यही परिलक्षित कर रहा है की भारत को विश्व गुरु बनाने वाला व्यक्तित्व आज विश्व गुरु के चरणों मे बैठा है निश्चित रूप से आज का यह संदर्भ कही सकारात्मकता ला सकता है। हो सकता है जो विकृतिया है वह दूर हो ऐसा भविष्य मे हो। गिरनार तीर्थ संत द्वारा किए गए अनर्गल बयानों पर भी ठोस कदम उठे।

संकलनः
अभिषेक जैन लुहाडिया
रामगंजमंडी की रिपोर्ट

अहिंसक दीवाली: बच्चों से अनुरोध
न ऑक्सीजन कम होगी...

दीवाली है पर्व महान, वीर प्रभू जी का निर्वाण.
महावीरथा उनका नाम,गौतम गणधर केवल ज्ञान.
राम जी वन से आये थे, सबमिल हर्ष मनाये थे.
दीपक कोटि जलाये थे,रात को दिवस बनाये थे.
निर्वाणपर्व मनाते हैं, लाडू सुबह चढ़ाते हैं,
और शाम को दीप जलाकर, केवल ज्ञान गुण गाते हैं.
यही तो बस दीवाली है, नेह, प्रेम, सुख वाली है.
श्रद्धा, भक्ति बढ़ातेहैं,प्रभु, गुरु गुण गाते हैं.
अहिंसक दीवाली मनाएं हम,
सबके प्यारे बन जाएँ हम.
पटाखे नहीं चलाना है, ना ही बम फुटाना है,
वायु में बिष आता है, अंदर देह में जाता है,
आँखे इससे जलती हैं, कान को हानि होती है,
कभी कोई जल जाता है, अपंग, निरीह बन जाता है.
पशु, पक्षी घबराते हैं, कष्ट वेदना पाते हैं.
धरा-गगन धुँवा होता है, यह जहरीला होता है,
सांसे देखो घुटती हैं, बूढ़ी दादी रोती है.
मरीजवेदना पाते हैं, ह्रदयघात बढ़ जाते हैं,
अग्निकांड हो जाते हैं, घर दुकान जल जाते हैं,
इस विनाश को अब रोकें, कष्ट वेदना दूर करें.
खीर, मलाई खाएंगे, नारियल, मिश्री लाएंगे.
नये वस्त्र धारण करके, मिलकर हर्ष मनाएंगे.
अहिंसक ही दीवाली हो, आनंद लाने वाली हो.
ऑक्सीजन न कम होंगी, हरी -भरी धरती होगी.
गुरु, प्रभु आज्ञा मानेगे, अच्छे बच्चे बन जायेंगे.

इंजिनियर अरुण कुमार जैन
अमृता हॉस्पिटल फरीदाबाद
मो 7999469175

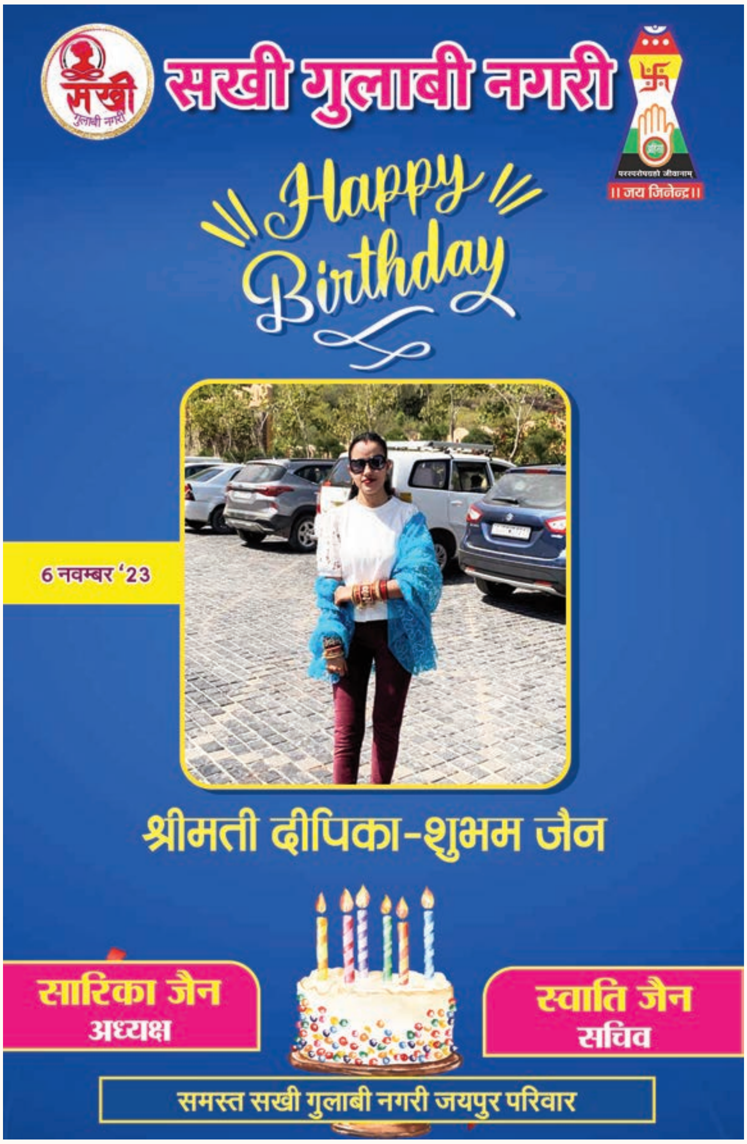

केंद्रीय विद्यालय की छात्राओं ने सीखे आत्मरक्षा के गुर

कोटा. शाबाश इंडिया

केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 2 कोटा में दो दिवसीय छात्राओं हेतु आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। विद्यालय प्राचार्य शिवदान सिंह द्वारा कोटा डिस्ट्रिक्ट ताइक्वांडो अकादमी के अध्यक्ष व राष्ट्रीय स्तर कोच अनिल कुमार का स्वागत किया गया प्रशिक्षण के अंतर्गत विद्यालय की छात्राओं को आत्मरक्षा से संबन्धित विभिन्न बारीकियों को बताते हुए अध्यक्ष अनिल कुमार द्वारा बताया गया कि विपरीत परिस्थिति में पेन , पिन ,सेप्टी पिन, पेपर स्प्रे, बोटल, बेग से भी अपनी रक्षा कर सकती है ।कोच अनिल कुमार ने बताया कि आज के समय में जहां महिला सशक्तिकरण व आत्मनिर्भरता को इतना महत्व दिया जाता है वही आत्मरक्षा भी आत्मनिर्भरता का एक पहलू है और इसलिए हर एक महिला को आत्मरक्षा के लिए स्वयं प्रयास करने होंगे। टीम के अन्य सदस्यों द्वारा ताइक्वांडो की विभिन्न विधाओं से छात्राओं को अवगत कराया। समस्त छात्राओं द्वारा शिविर में पूरे उत्साह से प्रतिभाग किया गया। कार्यक्रम के अंत में वरिष्ठ शिक्षक नवीन कुमार मीना द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया और शिविर का समापन किया गया।

समाज में एकता बनाकर रखें : गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुन्सी (राज.) के तत्वावधान में गुरु माँ विज्ञाश्री माताजी के सानिन्ध्य में शांतिधारा करने भक्तों का तांता लगा था। प्रथम अभिषेक करने का सौभाग्य विज्ञातीर्थ क्षेत्र के परम शिरोमणि संरक्षक ज्ञानचंद जैन भोपाल ने प्राप्त किया ।प्रथम शांतिधारा करने का सौभाग्य राजेन्द्र रुपाहेड़ी चाकसू एवं महावीर प्रसाद जी झिराना ने प्राप्त किया। आगामी 8 नवम्बर 2023 को श्री शांतिनाथ महामण्डल विधान का आयोजन सम्पन्न होगा। पूज्य माताजी ने समाज में एकता का संदेश देते हुए सभी से कहा - हम वीर की संतान होकर भी एक घर में रहकर एक - दुसरे से दूरियां बनाकर लड़ते-झगड़ते हैं। भाई - भाई आपस में बंट गया है। माताजी ने घड़ी के उदाहरण से कहा - जब तक घड़ी के तीनों कांटे अलग है वो दिखते नहीं पर जब तीनों एक साथ मिल जाते हैं तो किसी की भी 12 बजा सकते हैं। माता - पिता की , गुरू , वृद्धजन पूराने शास्त्र आदि की हमने कीमत खत्म कर दी। कहते भी हैं ओल्ड इज गोल्ड ।इसलिए इनकी सेवा सुरक्षा करें और परिवार , समाज में एकता बनाकर रखें वे देव शास्त्र गुरु पर श्रद्धा करें। आपका जीवन सफल हो जायेगा।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com